हिंदी का संवर्धन

हिंदी का संवर्धन

कोयला मंत्रालय सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने हेतु प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को उच्च प्राथमिकता प्रदान की है और इस संबंध में परिणामोन्मुख प्रयास किए जा रहे हैं।

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग में हो रही दैनिक प्रगति की समीक्षा करने तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा नियम और अधिनियम के प्रभावी कार्यान्वयन के संबंध में सुझाव देने हेतु मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यरत है। इस समिति की बैठकें नियमित रूप से की जाती हैं तथा राजभाषा के प्रयोग की स्थिति के साथ–साथ राजभाषा नीति के विभिन्न प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा की जाती है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस समिति की चार बैठकें आयोजित की गई जिनमें कार्यान्वयन से संबंधित सभी बिंदुओं पर की गई प्रगति पर चर्चा की गई। इसके साथ ही, सचिव, कोयला मंत्रालय द्वारा प्रत्येक माह के दूसरे सोमवार को मंत्रालय के सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रगामी प्रयोग और राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा की जाती है तथा सचिव महोदय की ओर से हिंदी के कार्यान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए जाते हैं।

माननीय कोयला मंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 13 दिसंबर, 2023 को कोयला मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक से संबंधित कार्यवृत्त सदस्यों को जारी किया जा चुका है तथा उक्त बैठक में की गई सिफारिशों पर अपेक्षित कार्रवाई की जा रही है।

हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय मंत्री जी की ओर से एक संदेश जारी किया गया जिसमें सरकारी कामकाज में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की गई। मंत्रालय में सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के बारे में जागरूकता लाने तथा उसके प्रयोग में वृद्धि करने के उद्देश्य से 14.09.2023 से 29.09.2023 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक श्रेणी के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 08 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सचिव (कोयला) द्वारा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार और प्रमाण–पत्र दिए गए।

चित्रः मंत्रालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा के विजेता प्रतिभागियों को सचिव महोदय द्वारा पुरस्कार वितरण

हिंदी में कार्य करने में अधिकारियों और कर्मचारियों की झिझक को दूर करने के उद्देश्य से मंत्रालय समय–समय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन करता रहता है। वर्ष के दौरान तकनीकी विषयों सहित अन्य विषयों पर केंद्रित चार हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग की स्थिति का जायजा लेने और राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों का समुचित अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति ने 25 मई, 2023 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर; सीएमपीएफओ, क्षेत्रीय आयुक्त–1, बिलासपुर तथा सीएमपीडीआई, क्षेत्रीय संस्थान, बिलासपुर और 15 जुलाई, 2023 को सीसीएल मुख्यालय, रांची; सीएमपीडीआई मुख्यालय, रांची और बीसीसीएल मुख्यालय, धनबाद, 03 अक्तूबर, 2023 को एनएलसी इंडिया लिमिटेड, बरसिंहसर प्रोजेक्ट, बीकानेर, 13 फरवरी, 2024 को कोल इंडिया लिमिटेड, यूनिट–6, मुंबई तथा 12 मार्च, 2024 को कोल इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली कार्यालयों का निरीक्षण किया जिसमें मंत्रालय की ओर से राजभाषा का कार्य देख रहे संयुक्त सचिव महोदय ने राजभाषा अधिकारी के साथ भाग लिया।

राजभाषा के कार्यान्वयन की स्थिति पर निगरानी रखने के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण ाधीन ग्यारह कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया गया। सभी कार्यालयों को निरीक्षण समीक्षा रिपोर्ट भेजी गई और राजभाषा के प्रगामी प्रयोग संबंधी निदेश दिए गए।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा 16 अक्तूबर, 2023 को सचिव (राजभाषा) की अध्यक्षता में केंद्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राजभाषा का कार्य देख रहे संयुक्त सचिव ने उप निदेशक (रा. भा.) के साथ भाग लिया।

मंत्रालय में कार्मिकों के लिए एक लघु पुस्तकालय है जिसमें हिंदी साहित्य की 250 से अधिक स्तरीय पुस्तकें हैं।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास किए गए।

निष्कर्षतः उपर्युक्त सभी प्रेरक और प्रोत्साहन प्रयासों का मंत्रालय में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और मंत्रालय तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालयों में सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है।